AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

# दाखिले के लिए अधिकतम उम्र 21

## फाइन आर्ट्स में पेंटिंग, अप्लाइड आर्ट, मूर्तिकला और टेक्सटाइल डिजाइन के कोर्स के लिए अनिवार्यता

माई सिटी रिपोर्टर

**लखनऊ।** लविवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। फाइन आर्ट्स में दाखिले प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर होने हैं, लेकिन इससे पहले अभ्यर्थी की उम्र भी देखी जाएगी। इसके स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी की अधिकतम उम्र 21 वर्ष रखी गई है। इससे ज्यादा आयु के अभ्यर्थी दाखिले के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। हालांकि, अन्य कोर्सों में अधिकतम उम्र की अनिवार्यता नहीं है।

लखनऊ का शिल्पकला महाविद्यालय देश के सबसे पुराने संस्थानों में से है। इसकी स्थापना वर्ष 1910 में हुई थी। स्नातक स्तर पर यहां पेंटिंग, अप्लाइड आर्ट, मूर्तिकला और टेक्सटाइल डिजाइन के पाठ्यक्रम चलते हैं। इनमें दाखिले के लिए 31 जुलाई 2023 को अभ्यर्थी की उम्र 21 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

इन पाठ्यक्रमों के लिए कॉमन प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा। इसके आधार पर काउंसिलिंग से दाखिले दिए जाएंगे। अधिकतम आयु की अनिवार्यता के साथ अभ्यर्थियों को 12वीं में न्यूनतम अंकों की अर्हता भी पूरी करनी होगी। सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 45 तथा एससी-एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 40 प्रतिशत अंकों की अनिवार्यता है। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश के अनुसार कम उम्र के योग्य अभ्यर्थियों को दाखिला देने के लिए अधिकतम उम्र की अनिवार्यता रखी गई है।

### टेक्सटाइल डिजाइन में सिर्फ स्ववित्तपोषित की दस सीटें

आर्ट्स कॉलेज में चलने वाले स्नातक के चारों पाठ्यक्रम में से टेक्सटाइल डिजाइन में सिर्फ स्ववित्तपोषित 10 सीटें ही हैं। इसके अलावा पेंटिंग में 18 रेग्युलर और 14 सेल्फ फाइनेंस, अप्लाइड आर्ट में 18 रेग्युलर और 14 सेल्फ फाइनेंस, मूर्तिकला में 14 रेग्युलर तथा पांच सेल्फ फाइनेंस की सीटें हैं।

# तकनीक के बगैर नहीं विज्ञान की कल्पना

लविवि में मंगलवार को राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान उपस्थिति अतिथिगण। -संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

### लविवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

**लखनऊ।** लविवि के अभियांत्रिकी संकाय में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का मंगलवार को समापन हो गया। रिसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विषय पर हुए सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन रहीं।

उन्होंने कहा कि तकनीक ही विज्ञान की शक्ति है, बिना इसके विज्ञान की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम उच्च शैक्षिक मानकों के साथ तकनीकि ज्ञान और व्यवसायिक विकास में सहयोग प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में इंजीनियर अमिताभ बनर्जी ने कहा, टेक्नॉलोजी के उपयोग से उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार होता है। इससे उत्पादक और उपभोक्ता दोनों को लाभ होता है।

प्रो. सक्सेना ने कहा कि वाटर मॉडलिंग का उद्देश्य जल संसाधनों की संरचना और संचालन में मदद करना है। इसमें जल संबंधी समस्याओं को निराकरण, संयोजन और निर्माण करने के लिए तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इस अवसर पर संयोजक डॉ. कमलेश तिवारी सहित केरल, आंध्र प्रदेश, झारखंड और पंजाब के साथ ही यूनाइटेड किंगडम, इथियोपिया, ओमान और नाइजीरिया के शिक्षक और छात्र उपस्थत रहे। सेमिनार में 80 से अधिक शोधपत्रों भी प्रस्तुत किए गए।

HINDUSTAN PAGE 4

# इंजीनियरिंग कोर्स से विकास का मौका

**लखनऊ।** सभी इंजीनियरिंग कोर्सेज उच्च शैक्षिक मानकों के साथ तकनीकी ज्ञान और व्यवसायिक विकास का एक सुनहरा मौका प्रदान करते हैं। इंजीनियरिंग एक ऐसा क्षेत्र है जो मौजूदा समय में सबसे तेजी से विकास कर रहा है। यह बातें लखनऊ विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने इंजीनियरिंग संकाय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में कही। प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि नवीनतम तकनीकों का अध्ययन करने के साथ-साथ, इंजीनियरिंग ने विकास को बढ़ाया है।

i-NEXT PAGE 4

# 90 मिनट की परीक्षा पूछे जाएंगे 100 प्रश्न

### एमबीए और एमटीटीएम में एंट्रेंस एग्जाम के जरिए लेंगे एडमिशन

**LUCKNOW (18 April):** लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) के एमबीए और मास्टर ऑफ टूरिज्म एवं ट्रैवल मैनेजमेंट (एमटीटीएम) में प्रवेश लखनऊ यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट एंट्रेंस टेस्ट (एलयूएमईटी) से लिए जाएंगे. दाखिले के लिए 70 प्रतिशत अंक लिखित परीक्षा और 30 प्रतिशत अंक साक्षात्कार को जोड़ते हुए मेरिट बनाई जाएगी. 90 मिनट की परीक्षा में 100 आब्जेक्टिव टाइप क्वैश्चन होंगे. प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा. निगेटिव मार्किंग नहीं होगी.

### एलयू में हैं 840 सीटें

एलयू के पुराने परिसर और नए परिसर में अलग-अलग एमबीए कोर्स संचालित हैं. इसके अलावा कामर्स विभाग द्वारा एमबीए फाइनेंस एंड एकाउंटिंग और ईस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट (आइएमएस) में एमबीए और ईस्टीट्यूट आफ टूरिज्म स्टडीज में एमटीटीएम कोर्स भी शामिल हैं. इन सभी कोर्सों में कुल 840 सीटें हैं. एलयू की प्रवेश सेल के अनुसार इन कोर्सों में होने वाली प्रवेश परीक्षा में सामान्य जागरूकता, अंग्रेजी मौखिक क्षमता और समझ, डेटा इंटरप्रिटेशन

### एकेटीयू के बीफार्मा में 100 सीटों पर मिलेगा प्रवेश

डा. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के फार्मेसी विभाग में संचालित बीफार्मा में 100 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे. विश्वविद्यालय ने सीट बढ़ाने के लिए फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया को प्रत्यावेदन भेजा था. काउंसिल ने उस पर सहमति देते हुए 100 सीटों पर प्रवेश के लिए मान्यता दे दी है. इससे छात्र-छात्राओं के लिए अवसर बढ़ गए हैं.

NBT PAGE 6

### 'कम्युनिकेशन टेक्नॉलजी से बेहतर होगा मैनेजमेंट'

■ एनबीटी सं, लखनऊः तकनीकी अपग्रेड के क्षेत्र में इंडस्ट्री 4.0 नई धारणा है। इसमें कम्युनिकेशन टेक्नॉलजी के इस्तेमाल से प्रॉडक्शन और मैनेजमेंट में सुधार किया जाता है। एलयू के अभियांत्रिकी संकाय में रिसेंट अडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल ऐंड इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग विषय पर हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में मंगलवार को एचएएल के अतिरिक्त महाप्रबंधक पद से रिटायर्ड अमिताभ बनर्जी ने इस हारे में बताया। वहीं, एसआरएमयू के प्रो. ए सक्सेना ने वाटर मॉडलिंग तो एलयू की प्रो. पूनम टंडन ने इंजिनियरिंग कोर्सों के बारे में बताया। डॉ. कमलेश तिवारी ने बताया कि सम्मेलन में देश के कई राज्यों के अलावा यूके, इथियोपिया, ओमान और नाइजीरिया के शिक्षक और स्टूडेंट्स ने भी शोधपत्र पेश किए।

### 5 स्टूडेंट्स का बीमांकिक विश्लेषक पद पर चयन

■ एनबीटी सं, लखनऊः एलयू के पांच स्टूडेंट्स- आकृति अग्रवाल, तुषार मौर्य,आदित्य पाण्डेय,मुस्कान बर्मा, व रीनी दुर्गापाल का मार्श मैकलेनन कंपनी में बीमांकिक विश्लेषक पद चयन हुआ है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक डॉ. मधुरिमा लाल ने बताया कि इन स्टूडेंट्स को 5.5 लाख सालाना पैकेज का ऑफर मिला है। साथ ही काम के आधार पर इंसेंटिव भी मिलेगा।

### पांच छात्र-छात्राओं को मिला प्लेसमेंट

**LUCKNOW:** लखनऊ विश्वविद्यालय के पांच और छात्र-छात्राओं को कैंपस प्लेसमेंट मिला है. इनमें सांख्यिकी विभाग से आकृति अग्रवाल, तुषार मौर्य, आदित्य पांडेय ,मुस्कान भामा और रिनी दुर्गापाल शामिल है. सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को प्रारंभ में 5.5 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिला है. उनके काम के आधार पर इंसेंटिव भी दिया जाएगा.

### क्विज में लविवि के विद्यार्थी विजेता

**लखनऊ।** लविवि के इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज, ओएनजीसी सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज की ओर से अंर्तमहाविद्यालयी बायो-क्विज का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न कॉलेजों की 21 टीमों के 150 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। छात्रों ने उन्नत अध्ययन के ओएनजीसी केंद्र स्थित अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का दौरा भी किया। क्विज में लविवि के आर्यन मिश्रा, अंकिता, आकांक्षा सिंह, प्रकाश प्रथम रहे। विवि के श्रीनाथ चौरसिया, अंजलि राय, अर्चिता यादव द्वितीय रहे। आईटी कॉलेज की स्वाति मिश्रा, प्राची त्रिपाठी और कंचन भट्ट ने तीसरा स्थान हासिल किया। (संवाद)

### कैंपस प्लेसमेंट में पांच विद्यार्थी चयनित

**लखनऊ।** लविवि की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से पांच फरवरी को बीमांकिक विश्लेषक पद के लिए प्लेसमेंट ड्राइव के परिणाम मंगलवार को जारी किए गए। इसमें विभिन्न विभागों के पांच विद्यार्थी आकृति अग्रवाल, तुषार मौर्य, आदित्य पाण्डेय, मुस्कान वर्मा व रीना दुर्गापाल का चयन हुआ। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सभी को 5.5 लाख सालाना का पैकेज मिलेगा। सभी विद्यार्थी बीमांकिक विश्लेषक पद पर सेवा देंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार ने शुभकामनाएं दीं। (माई सिटी रिपोर्टर)

VoL PAGE 6

### लविवि के पांच छात्र बीमांकिक विश्लेषक पद पर चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पांच छात्रों का बीमांकिक विश्लेषक पद पर चयन हुआ है। इसके लिए सेंट्रल प्लेसमेंट सेल द्वारा 5 फरवरी को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया था। जिसका परिणाम मंगलवार को घोषित हुआ। प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों में सांख्यिकी विभाग की आकृति अग्रवाल, तुषार मौर्य, आदित्य पाण्डेय, मुस्कान वर्मा व रीनी दुगापलि शामिल हैं। इन्हें शुरूआत में 5.5 लाख वार्षिक पैकेज मिलेगा। साथ ही काम के आधार पर इंसेंटिव भी दिया जाएगा।

PIONEER PAGE 3

# ड्राइव के जरिए छात्रों का हुआ प्लेसमेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**लविवि** ने हाल ही में अपने सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के माध्यम से बीमांकिक विश्लेषक पद के लिए एक सफल प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया था। मंगलवार को ड्राइव के घोषित परिणाम में कुल 5 छात्रों को प्लेसमेंट मिला है। प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों में सांख्यिक विभाग के आकृति अग्रवाल, तुषार मौर्य, आदित्य पाण्डेय, मुस्कान बमा व रीनी दुर्गापाल शामिल है। चयनित छात्रों को प्रारंभ में 5.5 लाख सालाना का पैकेज दिया गया है साथ ही साथ उनके काम के आधार पर उन्हें इंसेंटिव भी प्रदान किया जाएगा।

# विजेताओं को मेडल व प्रमाण पत्र दिए

### एलयू में किया गया बायो-क्विज कॉप्टीशन का आयोजन

**LUCKNOW (18 April):** लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड मालिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज में मंगलवार को स्नातक छात्र-छात्राओं के लिए बायो-क्विज 2023, इंटर कालेज क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई. इसका उद्घाटन प्रो. राजीव मनोहर, प्रो. एम सेराजुद्दीन, प्रो. अमिता कनौजिया और प्रो. मधुरिमा लाल ने किया. प्रतियोगिता में विभिन्न कॉलेजों की 21 टीमों के 150 से अधिक छात्रों ने भाग लिया. लवि के आर्यन मिश्रा, अंकिता, आकांक्षा सिंह, प्रकाश ने प्रथम, श्री नाथ चौरसिया, अंजलि राय, अर्चिता यादव ने दूसरा और आईटी कालेज की स्वाति मिश्रा, प्राची त्रिपाठी और कंचन भट्ट ने तीसरा स्थान हासिल किया. विजेताओं को मेडल व प्रमाण पत्र देकर पुरसकृत किया गया. इस अवसर पर प्रोफेसर मोनिषा बनर्जी, डा. कल्पना सिंह और डा. मनीषा उपस्थित रहीं.

# इस दौर में इनोवेशन के बारे में जानें इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स

### एलयू के अभियांत्रिकी संकाय में राष्ट्रीय सम्मेलन

**LUCKNOW (18 April):** लखनऊ विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि इंजीनियरिंग एक ऐसा क्षेत्र है, जो मौजूदा समय में सबसे तेजी से विकास कर रहा है. इसने विश्व में संचार, विद्युत उत्पादन, संचालन और विकास के क्षेत्रों में भौतिक विश्वास को बदल दिया है. इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में हो रहे नवाचार को जानते रहना चाहिए, प्रो. टंडन बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित रही थीं.

### एक्सपर्ट टॉक से शुरुआत

रिसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पर आयोजित सम्मेलन की शुरुआत एक्सपर्ट टाक से हुई. एचएएल से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महाप्रबंधक अमिताभ बनर्जी ने बताया कि वर्तमान में तकनीकी अपग्रेड के क्षेत्र में इंडस्ट्री 4.0 एक नई धारणा है, इसमें कम्युनिकेशन टेक्नोलाजी का उपयोग करके प्रोडक्शन और मैनेजमेंट के तरीकों में सुधार किया जाता है. इसमें विभिन्न टेक्नोलाजी का उपयोग करते हुए प्रोडक्टिविटी और क्वालिटी में सुधार होता है जो कि प्रोड्यूसर और कंज्यूमर दोनों के लिए बहुत अहम है. इंडस्ट्रीज में सेंसर्स, एक्यूरेटर्स, एनालिटिक्स, बिग डेटा, क्लाउड कंप्यूटिंग, एआई और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों का उपयोग करके उत्पादन प्रक्रिया में सुधार किया जा रहा है. प्रो. ए सक्सेना ने वाटर माडलिंग के विषय में बताया. संयोजक डा. कमलेश तिवारी ने भी विचार रखे. सम्मेलन मे केरल, आंध्र प्रदेश, झारखंड, पंजाब के साथ ही यूनाइटेड किंगडम, इथियोपिया, ओमान और नाइजीरिया से आए शिक्षकों और विद्यार्थियों ने आनलाइन और आफलाइन अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए.

दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ.

JAGRAN CITY PAGE III

# 'नए नवाचारों के बारे में जानें विद्यार्थी'

**जासं, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि इंजीनियरिंग एक ऐसा क्षेत्र है, जो मौजूदा समय में सबसे तेजी से विकास कर रहा है। इसने विश्व में संचार, विद्युत उत्पादन, संचालन और विकास के क्षेत्रों में भौतिक विश्वास को बदल दिया है। इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में हो रहे नवाचार को जानते रहना चाहिए। प्रो. टंडन बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित रही थीं। रिसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पर आयोजित सम्मेलन की शुरुआत एक्सपर्ट टाक से हुई। एचएएल से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महाप्रबंधक अमिताभ बनर्जी ने बताया कि वर्तमान में तकनीकी अपग्रेड के क्षेत्र में इंडस्ट्री 4.0 एक नई धारणा है, इसमें कम्युनिकेशन टेक्नोलाजी का उपयोग करके प्रोडक्शन और मैनेजमेंट के तरीकों में सुधार किया जाता है। इसमें विभिन्न टेक्नोलाजी का उपयोग करते हुए प्रोडक्टिविटी और क्वालिटी में सुधार होता है जो कि प्रोड्यूसर और कंज्यूमर दोनों के लिए बहुत अहम है। इंडस्ट्रीज में सेंसर्स, एक्यूरेटर्स, एनालिटिक्स, बिग डेटा, क्लाउड कंप्यूटिंग, एआइ और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों का उपयोग करके उत्पादन प्रक्रिया में सुधार किया जा रहा है। प्रो. ए सक्सेना व संयोजक डा. कमलेश तिवारी ने विचार रखे। केरल, आंध्र प्रदेश, झारखंड, पंजाब के साथ ही यूनाइटेड किंगडम, इथियोपिया से आए शिक्षकों और विद्यार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

## 90 मिनट की परीक्षा, पूछे जाएंगे 100 प्रश्न

**लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के एमबीए और मास्टर आफ टूरिज्म एवं ट्रैवल मैनेजमेंट (एमटीटीएम) में प्रवेश लखनऊ यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट एंट्रेंस टेस्ट (एलयूएमईटी) से लिए जाएंगे। दाखिले के लिए 70 प्रतिशत अंक लिखित परीक्षा और 30 प्रतिशत अंक साक्षात्कार को जोड़ते हुए मेरिट बनाई जाएगी। 90 मिनट की परीक्षा में 100 आब्जेक्टिव टाइप क्वैश्चन होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। (जासं)

### पांच विद्यार्थियों का प्लेसमेंट

**लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय के पांच और छात्र-छात्राओं को कैंपस प्लेसमेंट मिला है। इनमें सांख्यिकी विभाग से आकृति अग्रवाल, तुषार मौर्य, आदित्य पांडेय ,मुस्कान भामा और रिनी दुर्गापाल शामिल है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि विद्यार्थियों को प्रारंभ में 5 .5 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिला है। (जासं)

### वोकेशनल कोर्स में बदलाव

**लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय की ओर से वोकेशनल कोर्स के शीर्षक में बदलाव किया गया है। स्नातक चौथे सेमेस्टर में बेसिक आफ कंप्युटर-1, वीसी-2 की जगह अब बेसिक आफ वेब डिजाइन, वीसी-2 पढ़ाया जाएगा। (जासं)

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 7

## 5 छात्रों को प्लेसमेंट मिला

लखनऊ (एसएनबी) । लखनऊ विश्वविद्यालय ने हाल ही में अपने सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के माध्यम से 5 फरवरी को वीमांकिक विश्लेषक पद के लिए एक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया था, इसका परिणाम मंगलवार को घोषित हुआ। जिसमें विश्व विद्यालय के कुल 5 छात्रों को प्लेसमेंट मिला। प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों में सांख्यिक विभाग के आकृति अग्रवाल, तुषार मौर्य, आदित्य पाण्डेय, मुस्कान व रीनी दुर्गापाल शामिल है।

■ बीमांकिक विश्लेषक पद के लिए 5 फरवरी को प्लेसमेंट ड्राइव का किया था आयोजन

LOKSATYA PAGE 3

सम्मेलन | एलयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

# प्रोडक्शन, मैनेजमेंट में सुधार जरूरी

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ यूनिवर्सिटी के अभियांत्रिकी संकाय में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'रिसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग' के मंगलवार दूसरे दिन एक्सपर्ट टॉक से हुई। मुख्य वक्ता वक्ता सेवानिवृत्त अतिरिक्त महाप्रबंधक, एचएएल लखनऊ, इंजीनियर अमिताभ बनर्जी ने 'इंडस्ट्री 4.0' विषयक व्याख्यान हुआ।

उन्होंने कहा वर्तमान समय में तकनीकी अपग्रेड के क्षेत्र में इंडस्ट्री 4.0 एक नई धारणा है, जिसमें कम्युनिकेशन टेक्नॉलोजी का उपयोग करके प्रोडक्शन एवं मैनेजमेंट के तरीकों में सुधार किया जाता है। इसके अंतर्गत विभिन्न टेक्नॉलोजी का उपयोग करते हुए प्रोडक्टिविटी एवं क्वालिटी में सुधार होता है जो कि अंततः प्रोड्यूसर और कंज्यूमर दोनों के लाभों के लिए बहुत अहम है। विशेषज्ञ व्याख्यान में वक्ता एसआरएमयू के प्रो. ए सक्सेना ने 'वाटर मॉडलिंग' के विषय पर चर्चा की। उन्होंने वाटर मॉडलिंग का उद्देश्य, विधियां और फायदे के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य अतिथि डीन एकेडमिक्स प्रो पूनम टंडन ने कहा कि सभी इंजीनियरिंग कोर्सेज उच्च शैक्षिक मानकों के साथ तकनीकी ज्ञान और व्यवसायिक विकास का एक सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं। सम्मेलन के संयोजक डॉ कमलेश तिवारी ने बताया कि दो दिन चले राष्ट्रीय सम्मेलन में 8 मुख्य व्याख्यान, विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों ने प्रस्तुत किये गए।